॥ श्रीः ॥

चन्द्रकान्ता सन्तति

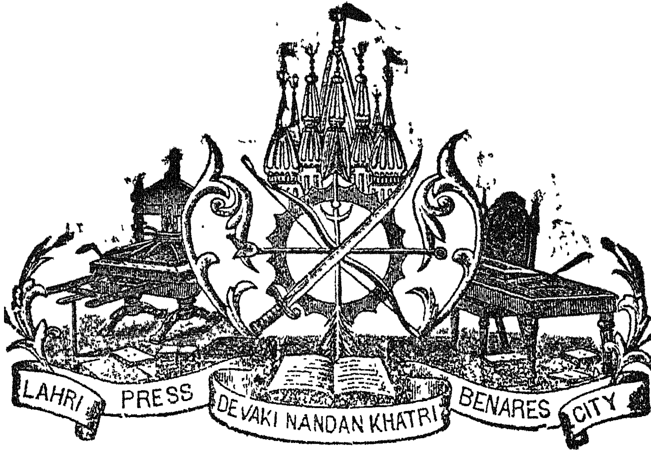
इक्कीसवां हिस्सा।



बाबू देवकीनन्दन खत्री रचित।

और

बाबू दुर्गाप्रसाद खत्री द्वारा प्रकाशित।



PRINTED BY

PANNA LAL ROY,—*Manager.*

AT THE LAHARI PRESS, BENARES CITY.



तृतीय बार १०००] १९१९ [मूल्य ॥) आ०